



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 277]
No. 277]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 4, 1987/ज्येष्ठ 14, 1909
NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 4, 1987/JYAISTHA 14, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(रसायन और पेट्रोर्सायन विभाग)

नई दिल्ली, 4 जून, 1987

अधिसूचना

का० घा० 556(अ).—विकास परिषद् (कार्यविधि) नियम, 1952 के नियम 2, 3, 4 और 5 के साथ पठित, उद्योग (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में "रसायन (उर्वरकों के अलावा)" शीर्षक के अंतर्गत उल्लिखित निम्नलिखित उद्योगों को शामिल करने हुए, पेट्रोर्सायनों के लिए एक विकास परिषद् की स्थापना करती है : —

- (क) कार्बनिक भारी रसायन (पेट्रोर्सायनों के रूप में ज्ञात) ।
- (ख) मिथेनिक रेजिन और प्लास्टिक ।
- (ग) मिथेनिक रबड़ ।

(घ) मानव निर्मित फाइबर जिनमें पुनर् उत्पादित सेल्यूलोज, रेयन, नायलोन और समान वस्तुएं शामिल हैं ।

(ङ) विविध रसायन (पेट्रोर्सायनों के रूप में ज्ञात) ।

उक्त विकास परिषद् को पेट्रोर्सायनों के लिए राष्ट्रीय विकास परिषद् के रूप में जाना जाएगा और उसमें इस आदेश के अनुबंध-1 में उल्लिखित सदस्य शामिल होंगे, जिनका कार्यकाल इस अधिसूचना के राज-पत्र में प्रकाशित होने की तारीख से दो वर्ष के लिए होगा ।

2. उक्त विकास परिषद्, इस आदेश के अनुबंध-2 में उल्लिखित कार्यों को करेगी ।

3. एतद्वारा श्री एन. एन. वेंगी, संयुक्त सचिव (पेट्रोर्सायन), उद्योग मंत्रालय (रसायन और पेट्रोर्सायन विभाग), को उक्त परिषद् के सदस्य-सचिव के कार्य करने हेतु नियुक्त किया जाता है ।

अनुबन्ध—I

पेट्रोसायन उद्योग के लिए विकास परिषद् के सदस्यों की सूची

1. सचिव, रसायन और पेट्रो रसायन विभाग	अध्यक्ष
2. डा० जी० वी० राव, अध्यक्ष, कृषि में प्लास्टिक के प्रयोग पर राष्ट्रीय समिति (एनसीपीए)।	सदस्य
3. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि०।	सदस्य
4. अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक, पेट्रोफिल्म कोआपरेटिव लि०	सदस्य
5. सलाहकार (पेट्रोकेमिकल्स), रसायन और पेट्रोसायन विभाग।	सदस्य
6. सलाहकार (रिफाइनरी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय।	सदस्य
7. सलाहकार (ईपीए), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय।	सदस्य
8. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, इंजीनियर्स इंडिया लि०	सदस्य
9. महानिदेशक, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ टेक्नीकल डेवलपमेंट।	सदस्य
10. सलाहकार (आईएम), योजना आयोग	सदस्य
11. श्री जे० एल. वामुदेव, चीफ जनरल मैनेजर (ओपरेशन) इंडियन आयल कॉर्पोरेशन।	सदस्य
12. श्री एम० एस० पटवर्धन, प्रबन्ध निदेशक, नेशनल आर्गेनिक कैमिकल्स इंडस्ट्री लि०।	सदस्य
13. श्री एस० पी० सपरा, रिलायन्स इंडस्ट्रीज	सदस्य
14. श्री सुरेश अग्रवाल, हरडिनिया कैमिकल्स	सदस्य
15. श्री डी० वाई० गैटोन्डे, प्रबन्ध निदेशक, सन्वरी इनका०।	सदस्य
16. श्री सुरेश किलाचन्द, प्रबन्ध निदेशक, सिन्थेटिक्स एण्ड कैमिकल्स।	सदस्य
17. श्री डुलधोया, प्रबन्धक, पोलिओलिफिन्स इंडस्ट्रीज लि०।	सदस्य
18. श्री सीता राम सिंघानिया, लोहिया मशीन्स लि०, कानपुर।	सदस्य
19. सिन्थेटिक फाइबर इंडस्ट्री एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि।	सदस्य
20. प्लास्टिक मैन्यूफैक्चर्स एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि।	सदस्य
21. स्टेपल फाइबर मैन्यूफैक्चर्स एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि।	सदस्य
22. रबड़ मैन्यूफैक्चर्स एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि।	सदस्य
23. आल इंडिया मैन्यूफैक्चर्स ऑर्गेनाइजेशन का एक प्रतिनिधि।	सदस्य
24. आल इंडिया फ्लैट टेप मैन्यूफैक्चर्स एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि।	सदस्य
25. संयुक्त सचिव (पेट्रो-कैमिकल्स) रसायन और पेट्रो रसायन विभाग।	सदस्य-सचिव

अनुबन्ध-II

पेट्रोसायन उद्योग के लिए विकास परिषद् के कार्य

- (1) उत्पादन लक्ष्यों की सिफारिश करना, उत्पादन कार्यक्रमों को समन्वित करना एवं समय-समय पर प्रगति की समीक्षा करना।
- (2) अग्रगण्य के वित्तोपन, अधिकतम उत्पादन की प्राप्ति, गुणवत्ता में सुधार एवं लागत में कमी लाने के उद्देश्य से कार्यकुशलता के मानदण्डों की सिफारिश करना।
- (3) अग्रगण्य क्षमता का पूर्ण उपयोग प्राप्त करने और उद्योग विशेषतः कम दक्ष एककों के कार्यकरण में सुधार लाने के उपायों की सिफारिश करना।
- (4) तेज़तर विपणन प्रबन्धों को बढ़ावा देना और उद्योग के उत्पादों के वितरण एवं बिक्री की ऐसी पद्धति स्थापित करने में सहायता देना जो उपभोक्ता को संतोषजनक लगे।
- (5) उद्योग में कार्यरत अथवा भावी कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं उससे सम्बद्ध तकनीकी एवं कलात्मक विषयों में उनकी शिक्षा को बढ़ावा देना।
- (6) वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान, औद्योगिक मनोविज्ञान को प्रभावित करने वाले मामलों में अनुसंधान और उद्योग द्वारा आपूर्ति माल एवं सेवाओं के उपभोग या उपयोग से और उत्पादन से संबंधित मामलों में अनुसंधान करना या बढ़ावा देना।
- (7) आंकड़ों को एकत्र और तैयार करने का काम करना या बढ़ावा देना।
- (8) उद्योग से संबंधित किसी भी मामले में (निष्पत्ति की शर्तों और पारस्परिक को छोड़ कर), जिसमें केन्द्रीय सरकार इस विकास परिषद् से परामर्श देने का अनुरोध करे; के बारे में परामर्श देना और इस कार्य के लिए विकास परिषद् को समर्थ बनाने हेतु प्रवृत्त करना।

[सं० 42011/2/86-पीसी-II]

ए० नाथ, उप सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Chemicals and Petrochemicals)

New Delhi, the 4th June, 1987

NOTIFICATION

S.O. 556 (E) :—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with rules 2, 3, 4 and 5 of the Development Council for Central Government hereby establishes a Development Council for Petrochemicals covering the following industries mentioned under the heading "Chemicals (other than Fertilizers)" in First Schedule to the said Act :—

- (a) Organic Heavy Chemicals (identified as petrochemicals).
- (b) Synthetic resins and plastics.
- (c) Synthetic rubbers.
- (d) Man-made fibres including regenerated cellulose — rayon, nylon and the like.
- (e) Miscellaneous chemicals (identified as petrochemicals).

The said Development Council shall be known as the National Development Council for Petrochemicals and shall consist of the members specified in Annexure-I to this Order, whose tenure of appointment shall be for a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. The said Development Council shall perform functions as are specified in Annexure-II to this Order.

3. Shri L. N. Doshi, Joint Secretary (Petrochemicals), Ministry of Industry (Department of Chemicals and Petrochemicals) New Delhi is hereby appointed to carry on the functions of the Member-Secretary to the said Development Council.

ANNEXURE I

LIST OF THE MEMBERS OF THE DEVELOPMENT COUNCIL FOR PETROCHEMICAL INDUSTRY

1. Secretary, Department of Chemicals and Petrochemicals. Chairman
2. Dr. G. V. K. Rao, Chairman, National Committee on the Use of Plastics in Agriculture (NCPA). Member
3. Chairman and Managing Director, Indian Petrochemicals Corporation Limited. Member
4. Chairman and Managing Director, Petrofils Cooperative Limited. Member
5. Adviser (Petrochemicals), Department of Chemicals and Petrochemicals. Member
6. Adviser (Refinery), Ministry of Petroleum and Natural Gas. Member
7. Adviser (EPP), Ministry of Petroleum and Natural Gas. Member
8. Chairman and Managing Director Engineers India Limited. Member
9. Director General, Directorate General of Technical Development. Member
10. Adviser (IM), Planning Commission. Member
11. Shri J. L. Vasudeva, Chief General Manager (Operations), Indian Oil Corporation. Member
12. Shri M. S. Patwardhan, Managing Director, National Organic Chemicals Industries Limited. Member
13. Shri S. P. Sapra, Reliance Industries. Member

14. Shri Suresh Agarwal, Herlillia Chemicals Member
15. Shri D. Y. Gaitonde, Managing Director Century Enka. Member
16. Shri Suresh Kilachand, Managing Director Synthetics & Chemicals. Member
17. Shri Duldhoya, Manager, Polyolefins Industries Limited. Member
18. Shri Sita Ram Singhania, Lohia Machines Limited, Kanpur. Member
19. A representative of Association of Synthetic Fibre Industry. Member
20. A representative of All India Plastics Manufacturers Association. Member
21. A representative of Association of Staple Fibre Manufacturers. Member
22. A representative of Rubber Manufacturers Association. Member
23. A representative of All India Manufacturers Organisation. Member
24. A representative of All India Flat Tape Manufacturers Association. Member
25. Joint Secretary (Petrochemicals), Deptt. of Chemicals and Petrochemicals. Member-Secretary.

ANNEXURE II

FUNCTIONS OF THE DEVELOPMENT COUNCIL FOR PETROCHEMICAL INDUSTRY

- (1) Recommending targets for production, co-ordinating production programmes and reviewing progress from time to time.
- (2) Suggesting norms of efficiency with a view to eliminating waste, obtaining maximum production, improving quality and reducing costs.
- (3) Recommending measures for securing the fuller utilisation of the installed capacity and for improving the working of the industry, particularly of less efficient units.
- (4) Promoting arrangements for better marketing and helping in the devising of a system of distribution and sale of the produce of the industry which would be satisfactory to the consumer.
- (5) Promoting the training of persons engaged or proposing engagement in the industry and their education in technical or artistic subjects relevant thereto.

-
- | | |
|--|---|
| <p>(6) Promoting or undertaking scientific and industrial research, research in the matters affecting industrial psychology and research into matters relating to production and to the consumption or use of goods and services supplied by the industry.</p> <p>(7) Promoting or undertaking the collection and formulation of statistics.</p> | <p>(8) Advising on any matters relating to the industry (other than remuneration and conditions of employment) as to which the Central Government may request the Development Council to advise and undertaking inquiries for the purpose of enabling the Development Council so to advise.</p> |
|--|---|
- [No. 42011/2/86-PC.II]
A. NATH, Dy. Secy.